Dr Pragya Rai, Asst
Maharaja College
 BA-1, Paper-2, Unit-14

## दल - पद्धति



दल-पद्धति लोकतांत्रिक शासन-प्रणाली का प्राण है। यही कारण है कि लोकतंत्रात्मक शासन को दलीय शासन भी कहा जाता है। आम तौर पर किसी भी देश में दल-पद्धतियों के तीन रूपों में से एक रूप मिलता है— एकदलीय पद्धति, द्विदलीय पद्धति और बहुदलीय पद्धति।



**एकदलीय पद्धति** — एकदलीय पद्धति में एक ही राजनीतिक दल का अस्तित्व रहता है और उसी दल का नियंत्रण सरकार पर रहता है; जैसे फासीवादी तथा साम्यवादी दल।

अप्रैल/April

8 सोमवार Monday

अच्छी व्यवस्था है क्योंकि इसमें जनता अपनी स्वेच्छा से किसी भी एक दल को अपना मतदान दे सकती है। लेकिन इस पद्धति का सबसे बड़ा दोष यह है कि शासन पर बहुमत दल का एकाधिकार हो जाता है तथा मंत्रिमण्डल पर उस दल विशेष की तानाशाही स्थापित हो जाती है और संसद की स्थिति कमजोर पड़ जाती है।

9 मंगलवार Tuesday

बहुदलीय पद्धति का जहाँ तक प्रश्न है इसका सबसे बड़ा दोष यह है कि इसके अन्तर्गत बनायी गई संयुक्त सरकार अत्यन्त कमजोर तथा अस्थायी रहती है।

शुक्रवार Friday 5

## द्विदलीय पद्धति

द्विदलीय पद्धति में दो दलों की ही प्रधानता रहती है। अमेरिका, ब्रिटेन आदि में द्विदलीय प्रणाली है।

## बहुदलीय पद्धति -

बहुदलीय पद्धति में अनेक राजनीतिक दल होते हैं; जैसे - फ्रांस, इटली, भारत इत्यादि

शनिवार Saturday 6 देशों में।

दल पद्धति के तीनों रूपों का प्रयोग आज विश्व में हो रहा है। एकदलीय पद्धति इसलिये अच्छी नहीं क्योंकि इसमें एक दल अधिनायक हो

रविवार\Sunday 7 जाता है, समस्त नागरिक अधिकारों को समाप्त कर देता है। द्विदलीय पद्धति निश्चित रूप से